relief) to the extent of $303 million. The major portion of the shortfall of nearly $285 million is due to the United States not making any fresh commitments other than debt relief for the U. S. Fiscal Year ending June 30, 1972.

Setting up of a New Explosive Factory in Public Sector

2750. SHRI C. K. JAFFER SHARIEF :
SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK :

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under the consideration of Government to start a new explosives factory in the public sector; and

(b) if so, its location and the main features thereof?

THE MINISTER OF STATE (DEFENCE PRODUCTION) IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA): (a) Yes, Sir.

(b) The factory will be located near Itarsi in Madhya Pradesh. It will produce propellants to meet the increased requirements of Defence. The rough estimated cost of the project is Rs. 67 crores and it will take about 6 years from the date of sanction to complete.

Scheme to Encourage Travel within the Country

2751. SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: Will the Minister of TOURISM & CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether Government have worked out any new scheme to encourage travel within the country by providing some facilities; and

(b) if so, the main features thereof?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH : (a) and (b). The necessary infra-structure is being built up and improved. Government have allocated funds for loans for the construction of hotels and the purchase of tourist transport. Youth hostels, reception centres, rest houses, game sanctuaries and camping sites are also being constructed.

इंडियन ड्रग्ज एंड फार्मेस्युटिकल्स लिमिटेड में लगाई गई पूंजी

2752. **श्री मूलचन्द डागा** : क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इन्डियन ड्रग्स एण्ड फार्मेस्यटिकल्स लिमिटेड में उसके आरम्भ होने से आज तक कितनी पूंजी लगायी गयी है;

(ख) इस कम्पनी को रूस सरकार ने कितनी वित्तीय सहायता दी है और रूस सरकार को कितनी पूंजी तथा उसका ब्याज आज तक भारत सरकार को चुकाना है; और

(ग) इस कम्पनी को वर्ष 1970-71 में कितनी हानि हुई और इसके क्या कारण थे ?

विधि और न्याय तथा पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री एच० आर० गोखले) : (क) 31 मार्च, 1972 तक 5870.59 लाख रुपये । इसके अतिरिक्त, कम्पनी को 2,735 लाख रुपये के कार्यकारी पूंजीगत ऋण दिये गये हैं।

(ख) 18 मिलियन रूबल्ज । इसके लिये दिये जाने वाले ब्याज के बारे में सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

(ग) 205.46 लाख रुपये की परिचालन हानि (ऋणों पर ब्याज तथा 799.24 लाख रुपये के मूल्य ह्रास के लिये व्यवस्था करने के पश्चात शुद्ध हानि) के निम्नलिखित मुख्य कारण है :—

(i) मुख्य रूप से परिचालन संबंधी तथा कमियों को दूर करने में लगे समय के कारण संयंत्रों की ब्रेक-ईवन (break-even) स्तर तक पहुंचने में असमर्थता, जुलाई, 1970 में ऋषिकेश में अलकनन्दा नदी में बहुत अधिक बाढ़, और सर्जिकल इंस्ट्रुमैन्टस प्लांट के उत्पादों के लिये पर्याप्त मांग का न होना ।